कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (ए टी आइ सी)

भाकृ अनुप
ICAR

केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
पी.बी. सं : 1603, उच्च न्यायालय के पास, कोचीन - 682 014

natp

आमुख

सूचना तक पहुँचना, उसका विकीर्णन तथा स्वीकरण या प्रयोग एक विकास प्राप्त पद्धति के प्रमुख आयाम होते हैं। यह सच है कि अनुसंधान संगठनों द्वारा विकसित की गई कई उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ उन्हीं के चार दीवारों में रुकी पडी है। कुछ प्रौद्योगिकियाँ समय के साथ पुरानी हो जाती है, यह मात्स्यिकी के मामले में भी लागू होती है। इस संदर्भ में सी.एम.एफ.आर.आइ. के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र (ए टी आइ सी) को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। ए टी आइ सी एक छत के नीचे खोले एकज़ालक वितरण पद्धति है जिस से मछुआरों को प्रौद्योगिकी सहयोग प्रदान करता है।

उद्देश्य

1. मछुआरों तथा इस क्षेत्र में रुचि रखनेवाले अन्य वर्गों को एकजालक वितरण पद्धति से तकनीकी सहयोग प्रदान करना।
2. मछुआरों को प्रौद्योगिकी सलाहों तथा प्रौद्योगिकी उत्पादों के ज़रिए संस्थान के संसाधनों तक पहुँचने का अवसर प्रदान करना।
3. संस्थान को उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियायें अवगत कराने के मंच के रूप में काम करना।

संस्थान से प्रदान की जा रही प्रौद्योगिकीय उत्पाद, सेवाएं, सूचना तथा सुविधाएं :

प्रौद्योगिकीय उत्पाद

क) झींगा खाद्य
ख) झींगा मांस
ग) खाद्य शुक्ति मांस
घ) शंबु मांस
ङ) समुद्री संवर्धित मोती
च) समुद्री शैवाल उत्पाद जैसे अचार, अगर, जेल्ली
छ) गुणवर्द्धित मात्स्यिकी उत्पाद

लाभदायक झींगा भोज्य

निदान सेवाएं

क) पर्यावरण मोनिटरन
ख) मैक्रोबयोलजिकल विश्लेषण - मत्स्य रोग निदान
ग) मिट्टी की जाँच
घ) पानी गुणवत्ता विश्लेषण
ङ) खाद्य गुणवत्ता विश्लेषण

सूचनाएं

क) झींगा/कर्कट/फिनफिश कृषि/चिंगट/कर्कट/आलंकारिक मछली भोज्य

ख) शंबु संवर्धन

ग) कर्कट संवर्धन/कर्कट का वज़न बढ़ाव

घ) विभिन्न मछली रोग

ङ) मोती संवर्धन

च) शुक्ति संवर्धन

छ) लघु पैमाने की झींगा हैचरी

ज) कृत्रिम मछली आवास

झ) परिस्थिति अनुकूल झींगा कृषि

ञ) सीपी संवर्धन

ट) जलजीवशाला मछली परिपालन

ठ) टिकाऊ विकास के लिए समुद्री मात्स्यिकी का प्रबंध

ड) समुद्री शैवाल संवर्धन

ए टी आइ सी के प्रकाशनों का दृश्य

उपलब्ध की जा रही सुविधाएं

1. **प्रौद्योगिकियों के प्रशिक्षण केलिए सहायता प्रदान करना**

2. **दूरभाष के ज़रिए और सीधे पूछताछ की सुविधा**

   दूरभाष द्वारा संपर्क करनेवालों को आवश्यक जानकारी दी जाती है।

3. **खत (पत्रव्यवहार)**

   प्रौद्योगिकी सहायता की माँग करते हुए आनेवाले पत्रों को संबंधित वैज्ञानिकों को प्रेषित किया जाता है और संस्थान द्वारा उत्तर दिया जाता है।

4. **वेब सइट**

   http.www.aticcmfri.org नामक एक वेब साइट को भी विकसित किया गया है जिसके द्वारा नीचे दी गई सूचनाएं प्रदान की जाती है।

   क) संस्थान द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियों का पाकेज ऑफ प्राक्टीसस।

   ख) संस्थान द्वारा आयोजित किये जानेवाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अनुसूची।

   ग) गुण वर्द्धन और प्रग्रहणोत्तर प्रौद्योगिकी।

   घ) प्रौद्योगिकीय निवेश और संस्थान में उपलब्ध सेवाएं।

   विशेषज्ञ से पूछिए : वेब पेज की इस सुविधा के द्वारा मछुआरों द्वारा पूछे जा रहे सवालों को विशेषज्ञ वैज्ञानिक के ध्यान में लाये जाते हैं और उनके जवाब वेब पेज में दिखाये जाते हैं

जिससे समान संदेह या समस्या की सामना कर रहे मछुआरे यह वेब पेज देखकर आसानी से अपनी समस्या का हल निकाल सकें।

ए टी आइ सी से ये प्रकाशन पाइए

नाम	मूल्य (रु)
क. महिमा झींगा खाद्य	5.00
ख. शंबु कृषि	5.00
ग. कर्कट कृषि	5.00
घ. मछली रोग	5.00
ङ. मोती कृषि	5.00
च. खाद्य•शुक्ति कृषि	5.00
छ. लघु पैमाने की झींगा हैचरी	5.00
ज. कृत्रिम मछली आवास	15.00
झ. परिस्थिति अनुकूल झींगा कृषि	15.00
ञ. सीपी कृषि	5.00
ट. जलजीवशाला मछली परिपालन	10.00
ठ. वहनीय विकास केलिए समुद्री मात्स्यिकी का प्रबंधन	10.00

अधिक सूचना केलिए संपर्क कीजिए :

प्रबन्धक, ए टी आइ सी

केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान,

टाटापुरम पी.ओ., कोचीन 14, केरल

दूरभाष : 0484-2394867, 2391407

फैक्स : 91-484-2394909

ई.मेल : <cmfriatic@rediffmail.com>

तैयारी : डॉ. विपिन कुमार वी.पी., डॉ. आर. सत्यदास, सी. एम. एफ. आर. आइ. का कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र, कोचीन

प्रकाशक : प्रोफसर (डॉ) मोहन जोसफ मोडयिल, निदेशक, सी. एम. एफ. आर. आइ., कोचीन

मुद्रण : निसीमा प्रिन्टेर्स & पब्लिषेर्स, कोच्ची 18, दूरभाष : 0484-2403760